प्रलिमि्स फैक्ट: 08 अक्तूबर, 2021

- [साहित्य का नोबेल पुरस्कार, 2021]
- [अजेय वारयिर-2021]
- [जावन गबि्बन]
- [हाई एम्बशिन कोएलशिन फॉर नेचर एंड पीपल]

साहित्य का नोबेल पुरस्कार, 2021

Nobel Prize for Literature, 2021

साहित्य में 2021 का नोबेल पुरस्कार उपन्यासकार अब्दुलराजाक गुरनाह को "उपनविशवाद के प्रभावों और संस्कृतयिों एवं महाद्वीपों के बीच की खाई में शरणार्थी के भाग्य हेतु अडगि और करुणामय पैठ के लयि" प्रदान कयिा गया है।

- पछिले साल साहित्य का नोबेल पुरस्कार लुईस ग्लक को 'उनका अचूक काव्यात्मक स्वर जो खूबसूरती के साथ व्यक्तगित अस्तति्व को सार्वभौमकि बनाता है', के लयि दयिा गया था।
- भौतकिी, रसायन वज्ञािन और चकिति्सा में वर्ष 2021 के नोबेल पुरस्कार पहले ही दयि जा चुके हैं।

प्रमुख बदिु

//

- **अब्दुलराजाक गुरनाह के बारे में:**
    - अब्दुलराजाक गुरनाह का जन्म वर्ष 1948 में हुआ था और वे हिंद महासागर में ज़ंज़ीबार द्वीप पर पले-बढ़े। ज़ंज़ीबार में क्रांति होने के बाद 1960 के दशक के अंत में उन्हें ब्रिटेन भागने के लिये मज़बूर होना पड़ा।
        - ज़ंज़ीबार पूर्वी अफ्रीका का हिस्सा है, यह क्षेत्र जिसे स्वाहिली तट के रूप में जाना जाता है, वर्तमान सोमालिया से हिंद महासागर के पश्चिमी तट पर मोज़ाम्बिक तक फैला है।
    - उनके दस उपन्यास और कई लघु कथाएँ प्रकाशित हो चुकी हैं। शरणार्थी के व्यवधान के विषय को उन्होंने पूरे साहित्य में आत्मसात किया है।
    - उन्होंने ब्रिटेन निर्वासन के दौरान 21 वर्ष की आयु से लिखना शुरू किया और हालाँकि स्वाहिली उनकी मातृभाषा थी लेकिन साहित्यिक भाषा के रूप में उन्होंने अंग्रेज़ी को चुना।
    - गुरनाह का चौथा उपन्यास **'पैराडाइज़' (1994)**, एक लेखक के रूप में उनकी प्रसिद्धि, 1990 के आसपास पूर्वी अफ्रीका की एक शोध यात्रा के बाद हुई।
- **महत्व:**
    - ऐसे समय में जब वैश्विक शरणार्थी संकट तेज़ी से बढ़ रहा है, गुरनाह का साहित्य इस बात की ओर ध्यान आकर्षित करता है कि लक्षित समुदायों और धर्मों के खिलाफ नस्लवाद तथा पूर्वाग्रह कैसे उत्पीड़न की संस्कृतियों को कायम रखते हैं।

अजेय वारियर-2021

AJEYA WARRIOR-2021

हाल ही में **भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास** [अजेय वारियर](#) **का छठा संस्करण उत्तराखंड के चौबटिया** में शुरू हुआ।

- इससे पहले भारत और यूके ने बंगाल की खाड़ी में दो दिवसीय द्विपक्षीय पैसेज अभ्यास (PASSEX) में भाग लिया था।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
    - अभ्यास **यूनाइटेड किंगडम और भारत में वैकल्पिक रूप से आयोजित** किया जाता है।
    - यह अभ्यास मित्र देशों के साथ अंतर- संचालनीयता का विकास और विशेषज्ञता साझा करने की एक पहल का हिस्सा है।
- **भारत और यूके के बीच अन्य संयुक्त अभ्यास:**
    - [नौसेना: कोंकण](#)
    - [वायु सेना: इन्द्रधनुष](#)

अन्य देशों के साथ भारत के सैन्य अभ्यास	
अभ्यास का नाम	**देश**
गरुड़ शक्ति	इंडोनेशिया
एकुवेरिन	मालदीव
हैंड-इन-हैंड	चीन
बोल्ड कुरुक्षेत्र	सिंगापुर
मित्र शक्ति	श्रीलंका

दृष्टि The Vision

नोमेडकि एलीफैंट	मंगोलयि
शक्ति	फ्राँस
सूर्य करिण	नेपाल
युद्ध अभ्यास	संयुक्त राज्य अमेरकि

जावन गबि्बन

Javan Gibbon

इंडोनेशयि जावन गबि्बन (Hylobates moloch) के आवास की रक्षा के लयि कदम उठा रहा है, जो जलवायु परविर्तन और मानव अतक्रिमण से संकटग्रस्त है।

- इनका शकिार माँस और व्यापार दोनों के लयि भी कयि जाता है।

प्रमुख बदुि

- **जावन गबि्बन के बारे में:**
  - सल्विर गबि्बन, जसि जावन गबि्बन के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राइमेट है। यह आमतौर पर दो की जोड़ी के समूहों में पाए जाते हैं।
  - यह इंडोनेशयि के जावा द्वीप का स्थानकि है, जहाँ यह 2,450 मीटर की ऊँचाई तक वर्षा वनों में रहता है।
    - यह बीजों को फैलाकर वन वनस्पतकि को पुनर्जीवति करने में मदद करता है।
  - लगभग 4,000 जावन गबि्बन बचे हैं।
  - इसे IUCN वर्ष 2004 में **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** घोषति कयि गया था, लेकनि अब यह **लुप्तप्राय** की श्रेणी में आ गया है। हालाँकि नवीनतम IUCN अनुमान से पता चलता है कि उनकी जनसंख्या घट रही है।
  - **आवास:**
    - जावन गबि्बन जंगली आबादी **केवल जावा, इंडोनेशयि** में पाई जाती है।
    - यह भारत में नहीं पाया जाता है (**हूलॉक गबि्बन** भारत में पाया जाने वाला एकमात्र गबि्बन है)।
- **स्थति:**
  - **IUCN:** लुप्तप्राय
  - **साइट्स:** परशिष्टि I

हाई एम्बशिन कोएलशिन फॉर नेचर एंड पीपल

High Ambition Coalition for Nature and People

हाल ही में भारत, 'हाई एम्बशिन कोएलशिन फॉर नेचर एंड पीपल' (HAC) में शामलि हुआ है।

- भारत HAC में शामलि होने वाला पहला **ब्रक्सि** (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षणि अफ्रीका) देश है।

प्रमुख बिंदु

- **HAC के बारे में:**
  - यह एक अंतर सरकारी समूह है, जो प्रकृति और लोगों के लिये एक वैश्विक समझौते का समर्थन करता है, जो कि प्रजातियों के तीव्र क्षरण को रोक सकता है और महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिकि तंत्र की रक्षा कर सकता है।
    - इसे वर्ष 2019 में **कोस्टारिका, फ्राँस और ब्रिटेन** द्वारा लॉन्च किया गया था।
  - इसकी सह-अध्यक्षता कोस्टारिका और फ्राँस द्वारा की जाती है और इसका सह-अध्यक्ष ब्रिटेन है।
- **उद्देश्य:**
  - वर्ष 2030 तक दुनिया की कम-से-कम 30% भूमि और महासागर की रक्षा के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय समझौते की वकालत करना **(वैश्विक 30×30 लक्ष्य)**
  - प्राकृतिक आवासों के नुकसान के बिना स्थायी रूप से प्रकृति प्रबंधन हेतु चक्रीय अर्थव्यवस्था द्वारा समर्थित प्राकृतिक लाभों के स्थायी एवं न्यायसंगत बँटवारे के लिये प्रयास करना।
- **सदस्य:**
  - इसके 70 से अधिक देश हैं, जो यूरोपीय, लैटिन अमेरिकी, अफ्रीका और एशिया महाद्वीपों से संबंधित हैं।
- **संबंधित पहलें**
  - **वैश्विक:**
    - संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन।
    - पार्टियों का सम्मेलन 26 (COP 26)।
    - जलवायु वित्तपोषण।
    - सामान्य लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व (CBDR)
    - अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन
    - डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर गठबंधन
  - **भारत:**
    - राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP)
    - भारत स्टेज-VI (BS-VI) उत्सर्जन मानदंड
    - उजाला योजना
    - जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC)।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-08-october-2021